पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)

भारत सरकार

****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, अग्रहायण 08, 1945

बुधवार, नवंबर 29, 2023

रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ क्वालिटी कॉन्क्लेव में भारतीय रक्षा निर्माताओं से कहा: भारत को शुद्ध रक्षा निर्यातक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण विनिर्माण की संस्कृति बनाएं

"गुणवत्तापूर्ण उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए आधार"

श्री राजनाथ सिंह ने कहा भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सशस्त्र बलों के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय और सुरक्षित सैन्य प्रणालियों के निर्माण की आवश्यकता।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भारतीय रक्षा निर्माताओं से रक्षा उत्पादन में गुणवत्ता की संस्कृति सृजित करने का आह्वान किया है और इसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए एक शर्त बताया है। 29 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में 'रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के लिए गुणवत्ता ओडिसी' विषय पर डीआरडीओ गुणवत्ता सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केवल गुणवत्तापूर्ण उत्पाद ही वैश्विक मांग पैदा करते हैं और यह भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र तथा शुद्ध रक्षा निर्यातक बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने में मदद करेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जो देश गुणवत्तापूर्ण उत्पादों का निर्माण करते हैं, वे अपने उपकरणों को दुनिया भर के देशों में निर्यात करते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी गुणवत्ता के कारण इन प्लेटफार्मों की कीमतें काफी अधिक हैं; लेकिन यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि आयातक देश अत्याधुनिक उत्पादों के लिए उच्चतम कीमतों का भुगतान करने के लिए भी तैयार हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद घरेलू रक्षा उद्योग के प्रति विश्वसनीयता लाते हैं, श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के भीतर ऐसे उपकरणों के निर्माण से वैश्विक मांग बढ़ेगी और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण रक्षा उत्पादों के विनिर्माण के दौरान लागत नियंत्रण के महत्व को भी रेखांकित किया।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'लागत नियंत्रण को अत्यधिक महत्व दिया जाना चाहिए। हालांकि यह गुणवत्ता की कीमत पर नहीं होना चाहिए। हमें वैश्विक स्तर पर लागत के मामले में प्रतिस्पर्धी होना होगा, लेकिन यह शीर्ष गुणवत्ता वाले सेगमेंट में रहकर करना होगा"। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली सैन्य प्रणालियों के निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित किया जो प्रभावी, विश्वसनीय और सुरक्षित हों और सशस्त्र बलों को सफलतापूर्वक मिशनों को पूरा करने में सक्षम बना सकें।

रक्षा मंत्री ने योग्य उद्योगों के प्रतिनिधियों को उन्नत विनिर्माण आकलन और रैंकिंग प्रणाली (समर) प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

इस अवसर पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने गुणवत्तापूर्ण प्रणालियां उपलब्ध कराने की दिशा में डीआरडीओ की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सभी हितधारकों से गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी सैन्य प्रणालियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में दृढ़ संकल्प और तालमेल रखने का अनुरोध किया। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव श्री राजेश कुमार सिंह और भारतीय गुणवत्ता परिषद के अध्यक्ष श्री जक्षय शाह भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सम्मेलन में डीआरडीओ के महानिदेशकों, निदेशकों, डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के गुणवत्ता प्रमुखों, उद्योग के विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों ने भी भाग लिया। इस सम्मेलन ने रक्षा क्षेत्र में प्रमुख हितधारकों को अपने दृष्टिकोण साझा करने एवं आत्मनिर्भरता व निर्यात के दोहरे लक्ष्य को साकार करने के लिए विचार-विमर्श करने का एक साझा मंच प्रदान किया।

सम्मेलन का आयोजन दो सत्रों में किया गया, जिनमें 'रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता एवं गुणवत्ता संस्कृति में सुधार' तथा 'रक्षा एवं एयरोस्पेस में गुणवत्ता आश्वासन' शामिल हैं। उद्योग, सरकारी गुणवत्ता आश्वासन एजेंसियों और उपयोगकर्ता सेवाओं के विशेषज्ञों ने सम्मेलन सत्रों के दौरान अपने दृष्टिकोण दिए।

सम्मेलन ने गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी प्रणालियों के उत्पादन, एवं मानकों, नीतियों तथा वैश्विक सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं के कार्यान्वयन के लिए हितधारकों को विशेषज्ञों के साथ नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान किया। प्रतिभागियों ने 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए रक्षा विनिर्माण क्रांति में गुणवत्ता के विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया।

एबीबी/एसएस